जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 135 प्रभात बीकानेर, शनिवार 10 दिसम्बर, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

5 साल में 239 करोड़ रू. खर्च हुए मोदी की विदेश यात्राओं पर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 5 साल में 30 विदेश यात्राएं की हैं जिनमें 239 करोड़ रू. खर्च हुए हैं। यह जानकारी सरकार ने राज्यसभा में माकपा सांसद एलामराम करीम द्वारा पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में दी।

उनमें से 29 यात्राओं में उनके साथ नैशनल सिक्योरिटी एडवाइज (एन. एस. ए.) अजीत डोवल भी थे। विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने यह जानकारी दी और बताया कि प्रधानमंत्री

- **राज्यसभा में माकपा सांसद ई. करीम के सवाल के लिखित जवाब में विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने यह जानकारी दी।**

की यात्राओं का मकसद विदेशी राष्ट्रों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाना था। उन्होंने कुल 36 यात्राओं का ब्यौरा दिया पर खर्चा 31 यात्राओं का दिया गया। अगस्त 2019 की भूटान यात्रा, इस वर्ष मई की नेपाल यात्रा का खर्च इसमें शामिल नहीं है। साथ ही मार्च 2021 की बांग्लादेश यात्रा सितम्बर 2021 की इटली यात्रा और अक्टूबर 2021 की यू.के. यात्रा का खर्च भी इसमें शामिल नहीं है क्योंकि यह व्यय गृह मंत्रालय ने दिया था।

जवाब में बताया गया है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी ने रणथम्भौर में अपनों के बीच मनाया 76वां जन्मदिन

शाम की पारी में देखी बाघ-बाघिन की अठखेलियां

सवाईमाधोपुर, 9 दिसम्बर (निस)। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 76 वां जन्मदिन अपने परिवार के साथ रणथम्भौर में मनाया।

रणथम्भौर में सोनिया गांधी का जन्मदिन सेलिब्रेट करने गत दिवस गांधी परिवार सवाई माधोपुर पहुंचा था। सोनिया गांधी करीब 37 साल बाद रणथम्भौर आई हैं। गौरतलब है कि आज से करीब 37 साल पहले सोनिया गांधी अपने पति पूर्व प्रधानमंत्री राजीव

- **37 साल पहले सोनिया गांधी अपने पति राजीव गांधी के साथ रणथम्भौर आईं थी।**

गांधी के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए रणथम्भौर आई थीं।

उस समय उनके साथ उनके पारिवारिक मित्र अमिताभ बच्चन भी थे। करीब 37 साल बाद सोनिया गांधी अपने बच्चों प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के साथ रणथम्भौर आई हैं, जहां उनका जन्मदिन मनाया गया। सोनिया,

सोनिया गांधी अपना 76वां जन्म दिन मनाने 37 साल बाद अपने बच्चों प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के साथ रणथम्भौर आईं। सोनिया गांधी 1985 में अपने पति राजीव गांधी के साथ रणथम्भौर घूमने आई थीं।

प्रियंका और राहुल गांधी गुरुवार शाम जोगी महल पहुंचे, जहां सोनिया गांधी ने अपनी पुरानी यादें ताजा की, जब वे अपने पति राजीव गांधी के साथ यहां आई थीं।

जोगी महल से राहुल गांधी और सोनिया गांधी वापस होटल लौट आए। शाम को गांधी परिवार ने रणथम्भौर सफारी की और बाघों की अठखेलियां देखी।

सोनिया गांधी के जन्मदिन को लेकर रणथम्भौर स्थित पांच सितारा होटल शेर बाग में व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई थीं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट, वेणुगोपाल सहित कांग्रेस के बड़े नेताओं ने सोनिया गांधी को जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। बताया जाता है कि इसके बाद सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी दोनों संभवतया राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगी।

गांधी परिवार की सुरक्षा को लेकर होटल शेरबाग में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। समूचे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया और चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया।

मीडिया को भी करीब दो किलोमीटर दूर ही रोक दिया गया। बिना इजाज़त किसी को आगे जाने की अनुमति नही है।

'जमानत याचिका पर मात्र 10 मिनट ही सुनवाई हो'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अदालतें जमानत याचिकाओं पर दस मिनट से ज्यादा सुनवाई ना करें। जमानत पर कई दिनों तक सुनवाई करना समय की बरबादी है। जस्टिस संजय किशन कौल और ए.एस. ओका की बैंच ने जे.एन.यू. छात्र शरजील इमाम की याचिका की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली दंगों के षडयंत्र केस में शरजील और उमर खालिद की जमानत याचिका

- **सुप्रीम कोर्ट ने शरजील इमाम की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि, जमानत पर कई दिन तक सुनवाई करना समय की बरबादी है।**

खारिज करते हुए अपने आदेश में जो टिप्पणियां की थी, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने निकाल दिया है।

बैंच ने कहा कि, "ऐसा तब ही होता है जब जमानत याचिका पर भी दोष सिद्धी की फाइनल अपील की तरह लम्बे समय तक सुनवाई होती है।" खालिद की जमानत याचिका पर 20 दिन तक सुनवाई हुई उसके बाद कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी और आदेश में शरजील के खिलाफ भी टिप्पणी की थी।

'कोलीजियम का सिर्फ फैसला ही सार्वजनिक होगा'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वह याचिका खारिज कर दी जिसमें कोलीजियम मीटिंग का ब्यौरा मांग गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ फैसला ही सार्वजनिक किया जाएगा चर्चा नहीं।

जस्टिस एम.आर. शाह और सी.

- **सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने एक याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि, सुनवाई में कोलीजियम की बैठक में हुई चर्चा का ब्यौरा नहीं दिया जाएगा।**

टी. रविकुमार की बैंच ने आर.टी.आई. एक्टिविस्ट अंजलि भारद्वाज की याचिका खारिज कर दी। भारद्वाज का प्रतिनिधित्व प्रशांत भूषण कर रहे थे। याचिका में भारद्वाज ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी जिसने उनकी याचिका खारिज कर दी। याचिका में 12 दिसम्बर 2018 को हुई सुप्रीम कोर्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विश्राम के बाद बूंदी के गुड़ली से आज भारत जोड़ो यात्रा पुनः शुरू होगी

केशोरायपाटन से राहुल गांधी अपनी मां सोनिया और बहिन प्रियंका के साथ यात्रा में शामिल होंगे

बूंदी, 9 दिसम्बर (निसं)। सोनिया गांधी के जन्मदिवस, 9 दिसम्बर, पर रखे गए विश्राम के बाद आज सुबह बून्दी जिले में भारत जोड़ो यात्रा के पड़ाव स्थल गुडली से भारत जोड़ो यात्रा प्रारंभ होगी। शनिवार सुबह सवाई माधोपुर से रवाना होकर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सीधे केशोराय पाटन पहुंचकर रिलायंस पेट्रोल पम्प से सुबह आठ बजे यात्रा में शामिल होंगे।

वहीं सुबह सात बजे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी जयपुर से रवाना होकर सुबह 7.45 बजे केशोराय पाटन पहुंचकर यात्रा में शामिल होंगे। रिलायंस पेट्रोल पम्प के आगे बनाए गए मंच पर तीनधारा महादेव पर संचालित वेद विद्यालय के वेदपाठी बटुक राहुल गांधी व अन्य सभी यात्रियों का वेदमंत्रों से स्वागत अभिनन्दन करेंगे। पूरे यात्रा मार्ग पर हजारों कार्यकर्ता राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए खड़े रहेंगे।

- **केशोरायपाटन में राहुल व भारत जोड़ो यात्रा के सभी यात्रियों के स्वागत में वेद विद्यालय के वेद पाठी बटुक वेद मंत्रों का पाठ करेंगे।**
- **मु.मंत्री गहलोत भी जयपुर से सीधे केशोरायपाटन पहुंचेंगे।**
- **इससे पहले विश्राम के दौरान गुड़ली में भारत जोड़ो यात्रियों व कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर केक काटा गया, लड्डू बांटे गए और आतिशबाजी भी की गई।**

गुड़ली विश्राम स्थल पर मनाया सोनिया का जन्म दिन, भारत जोड़ो यात्रियों और कार्यकर्ताओं को लड्डू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गुजरात में हुआ राजस्थान मॉडल फेल'

जयपुर, 9 दिसम्बर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी ने पत्रकार वार्ता के दौरान रीट परीक्षा में नकल के मामले में शिक्षा राज्य मंत्री

- **वरिष्ठ भाजपा नेता वासुदेव देवनानी ने कहा, गुजरात में राजस्थान मॉडल फेल हो गया है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट आपस में लड़ रहे हैं। राजस्थान की जनता इन्हें पहचान चुकी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी ही पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को नकारा, निकम्मा और गद्दार तक कह चुके हैं।**

सुभाष गर्ग को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले में सुभाष गर्ग के साथ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भूंगरा हादसे में पाँच की और मौत, मृतकों की संख्या 7 हुई

जोधपुर, 9 दिसम्बर (कासं)। डॉक्टर एस.एन. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल दिलीप कच्छावा ने, गुरुवार को शेरगढ़ तहसील के भूंगरा गांव में शादी के घर में हुए गैस सिलैण्डर ब्लास्ट में गंभीर रूप से झुलसी तीन महिलाओं, धापू कंवर, कंवरू, चंदन कंवर और दो बच्चों की आज मौत होने की पुष्टि की है। दो बच्चो की मौत पहले ही हो चुकी है। अब मृतकों की संख्या 7 हो गई है। इस भीषण हादसे में करीब 20 परिवारों के 50 से ज्यादा लोग झुलसे हैं। वहीं, दो घरों में शादियों की खुशियां मातम में बदल गई हैं।

जोधपुर से करीब 110 किलोमीटर दूर शेरगढ़ तहसील के भूंगरा गांव में एक के बाद एक पांच सिलेंडर ब्लास्ट हुए और पूरा गांव दहल गया। जले हुए लोगों को जब जोधपुर के हॉस्पिटल लाया गया तो उन्हें देखकर हर कोई सिहर गया।

जिस समय हादसा हुआ उस समय दूल्हा सुरेंद्र सिंह और उसके परिवार के लोग बारात की तैयारी कर रहे थे। महिलाएं मंगल गीत गा रही थीं। बहनें इंतजार कर रही थीं। पूरा गांव परिवार

- **जोधपुर से 110 किलोमीटर दूर, शेरगढ़ तहसील के भूंगरा गांव में गैस सिलैण्डर ब्लास्ट से शादी की खुशियां मातम में बदलीं।**
- **हादसे में 20 परिवारों के 50 से ज्यादा लोग झुलस गए हैं। सभी का डॉक्टर सपूर्णानंद मैडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।**
- **मृतकों के परिजनों को सात-सात लाख रू. और घायलों को एक-एक लाख रू. की सहायता देने की घोषणा की गई है।**

की खुशी में शामिल होने आया हुआ था।

अचानक एक सिलेंडर में गैस लीक होने के कारण आग लग गई और देखते ही देखते पांच सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। ब्लास्ट में सुरेंद्र सिंह का पूरा घर तबाह हो गया। घर में जो टैंट लगाया था वह भी जल गया। परिजनों ने बताया कि आंगन में बैठी महिलाओं पर एक गैस सिलेंडर आकर गिरा। जिससे कई महिलाएं झुलस गईं।

अचानक घर के अंदर से चीख-पुकार सुन आस-पास के लोग पहुंचे तो वहाँ के हालात देखकर स्तब्ध रह गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आग लगी हमारी झौपड़ियों में, हम गायें मल्हार'

क्या उपरोक्त लोक गीत सही वर्णन है राहुल की भारत जोड़ो यात्रा का?

-सुजीत चक्रवती-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर। गुजरात में भाजपा की शानदार जीत और कांग्रेस पार्टी की करारी हार ने आम जनमानस के दिमाग में एक सवाल पैदा कर दिया है कि क्या राजनैतिक दलों का एक मात्र उद्देश्य चुनाव जीतना और सत्ता प्राप्त करना ही होता है।

इसी से सम्बधित सवाल यह है कि क्या देश को ऐसे प्रधानमंत्री जी की जरूरत है जिसका अधिकांश समय अपनी पार्टी की चुनावी जीत सुनिश्चित करने में ही खर्च होता है और क्या राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की कोई प्रासंगिकता है, अगर यह कांग्रेस की चुनावी संभावनाएं भी बेहतर नही बना सकती है तो?

इन सवालों को उन सवालों की पृष्ठभूमि में देखा जाए जिनका सामना मैं गुजरात के चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद से कर रहा हूँ।

एक बहुत अच्छा दोस्त एम.के., जो स्पष्ट रूप से मोदी-शाहशैली की गवर्नेंस के खिलाफ है, यात्रा पर लिखने ओर राहुल का गुणगान करने के लिए मुझ से बहुत नाराज़ है, क्यों कि गुजरात

- **क्या भारत जोड़ो यात्रा सफल रहेगी, राजनीति नयी परिभाषा करने में?**
- **क्योंकि, भारत जोड़ो यात्रा, यह सवाल भी उठाती है कि, क्या राजनीति का केवल एक ही ध्येय हैः चुनाव जीतना व सत्ता में बने रहना?**
- **इसी संदर्भ में भारत जोड़ो यात्रा के बारे में एक सवाल यह भी उठ रहा है कि, राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के कार्यक्रम में तब्दीली करके गुजरात में और समय क्यों नहीं बिताया? अगर वे ऐसा करते, तो शायद गुजरात में पार्टी की इतनी शर्मनाक हार नहीं होती।**
- **वैसे ही, राहुल की यात्रा पर, साधारण आदमी का विश्वास धीरे-धीरे जमा और देर से भीड़ आनी शुरू हुई, पर राहुल अगर अपनी यात्रा के घोषित कार्यक्रम में बदलाव करते तो इसके बाद, जनता राजनीतिज्ञों को झूठा तो मानती ही है, भविष्य में कभी विश्वास नहीं करती।**
- **राहुल गांधी ने इस यात्रा से जनता में सपना देखने की हिम्मत जगायी है, अतः एक हारे हुए चुनाव में पुरजोर ढंग से भाग लेने से, क्या राहुल इस नयी तरह के राजनीतिक दर्शन के स्वप्न की भ्रूण हत्या नहीं कर देते?**

में भाजपा ही भाजपा है। एक अन्य पुराने मित्र ने राहुल पर एक मीम शेयर किया जिसमें वे बैठकर गा रहे हैं, नीचे कैप्शन है "आग लगी हमरी झोपडिया में हम गाएं मल्हार"

दोनों ही गलत हैं उनके, उद्देश्य चाहे जो हों और हालिया चुनाव नतीजों का उन्होंने गलत अर्थ निकाला है। लेकिन पहले वाले की चिंता जायज है और इसलिए इसे करीब से देखने की जरूरत है। एम.के. जो यात्रा पर मेरे लिखे आलेखों का प्रशंसक है, गुजरात नतीजों को लेकर क्रोधित हो गया और पूछा "अगर आप एक चुनाव नहीं जीत सकते तो यात्रा का फायदा क्या है"

यह एक पॉइन्ट है क्योकि राहुल गांधी की यात्रा का उद्देश्य चुनाव जीतना नहीं है। यहां तक कि खुद एम.के. ने कहा था कि, "राहुल ने वह भूमिका निभाने का फैसला किया है, जो महात्मा गांधी ने निभाई थी "राहुल की योजना ऐसा राजनैतिक दृष्टा बनने की है जिसमें वे चुनाव जीतना नहीं बल्कि पार्टी का मार्गदर्शन करना चाहते हैं।"

अब एम. के. राहुल पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने गुजरात में प्रचार क्यों नही किया अगर उन्होने थोड़े से प्रयास किए होते तो कांग्रेस को इतनी शर्मनाक हार से तो बच जाती।

हाँ ठीक है, पर इसके कई कारण हैं कि उन्होंने ऐसा क्यों नही किया। ऐसा नहीं है कि राहुल ने खुद यह सब बात मुझे बताई है, मैं तो कभी उनसे मिला भी नहीं। लेकिन यह मेरा आंकलन है।

सबसे पहले तो यात्रा की संरचना देखिए यह "कन्या कुमारी से कश्मीर तक"। आमतौर पर हिन्दी में कहा जाता है "कश्मीर से कन्या कुमारी तक"।

इससे पीछे हटकर गुजरात जाना भारी भूल होती क्योंकि तब भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका मिल जाता। तब भाजपा कहती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)